First Aid Training

19 March 2024-22 March 2024

Media coverage

Organized by-
Indian Red Cross Society
Dehradun

Sponsored by-
USDMA
Dehradun

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

दैनिक हिन्दुस्तान–20 मार्च 2024

देहरादून में मंगलवार को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यालय में आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। • हिन्दुस्तान

सही प्राथमिक चिकित्सा बचाएगी जान

प्रशिक्षण

- रेडक्रॉस सोसायटी और यूएसडीएमए का चार दिवसीय शिविर शुरू
- स्कूली बच्चों से लेकर दूरदराज तक प्रशिक्षण पर जोर दिया गया

देहरादून, कार्यालय संवाददाता। आपदा प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा पर उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) और भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के चार दिनी प्रशिक्षण शिविर का आगाज हो गया। मंगलवार को यूएसडीएमए के सीईओ मोहम्मद ओबैदुल्लाह अंसारी ने इसका शुभारंभ किया।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यालय में आयोजित शिविर में विभिन्न जिलों के मास्टर ट्रेनरों के अलावा अग्निशमन विभाग के 24 फायर कार्मिक भी हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान अंसारी ने कहा कि आपदा के समय जो लोग फ्रंटलाइन में काम करते हैं, उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यदि समय पर आपदा प्रभावितों को सही तरीके से प्राथमिक इलाज मिल जाए तो कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी उत्तराखंड ब्रांच के अध्यक्ष कुंदन सिंह टोलिया ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान यूएसडीएमए की प्रशिक्षण विशेषज्ञ जेसिका टैरोन, आईआरएस विशेषज्ञ वेदिका पंत, मुंशी चैमवाल, राजवीर सिंह, जगमोहन सिंह, शिवानी रावत रश्मि रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

गांव-गांव तक टीम बनाने पर जोर

अंसारी ने कहा कि स्कूली बच्चों से लेकर दूरदराज में भी आमजन को फर्स्ट एड ट्रीटमेंट की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने युवक मंगल दलों को भी इस शिविर का हिस्सा बनाकर गांव-गांव तक फर्स्ट एड वॉरियर्स की प्रशिक्षित टीम खड़ी करने की बात कही। विशेषज्ञ डॉ. अनिल सैनी ने बताया कि फर्स्ट एड की सही जानकारी नहीं होने के कारण भी कई लोगों की जान चली जाती है। शबाना अंजुम और हरीश शर्मा ने सीपीआर की सही तकनीक से रूबरू कराया।

अमर उजाला–20 मार्च 2024

वक्त पर फर्स्ट एड से बच सकती हैं जान : अंसारी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार से आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड पर चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यालय में आयोजित शिविर में विभिन्न जिले के मास्टर ट्रेनर व अग्निशमन विभाग के 24 फायर कार्मिक हिस्सा ले रहे हैं। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी ने कहा कि समय पर आपदा प्रभावितों को सही फर्स्ट एड मिल जाए तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। संवाद

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

अमर उजाला–21 मार्च 2024

प्रशिक्षण

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से हुआ प्रशिक्षण

फर्स्ट एड की जानकारी से बचाया जा सकता है लोगों का जीवन

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से फर्स्ट एड पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में दूसरे प्रतिभागियों को फर्स्ट एड के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं की जानकारी दी गई।

मास्टर ट्रेनर और फायर कार्मिकों ने मानव डमी के माध्यम से फर्स्ट एड की सही तकनीकों को सीखा। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि

मास्टर ट्रेनर और फायर कार्मिकों ने मानव डमी के माध्यम से फर्स्ट एड की सही तकनीकों को सीखा

फर्स्ट एड की जानकारी होने से कई लोगों के अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है। प्रत्येक गांव, स्कूल-कॉलेज, दफ्तर में कुछ लोगों को भी फर्स्ट एड की जानकारी होगी तो वह कई लोगों के जीवन को बचा सकते हैं।

मास्टर टेनर भारतीय रेड क्रास सोसायटी हरीश शर्मा ने बताया कि फर्स्ट एड किस तरह से दिया जाता है। यदि कहीं पर कोई बड़ी दुर्घटना हो तो सबसे पहले उसे फर्स्ट एड दिया जाए, जिसकी हालत सबसे ज्यादा खराब हो। उन्होंने इसके लिए विभिन्न प्रकार की कलर कोडिंग के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षक रविंद्र मोहन काला ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि फर्स्ट एड सहायता के दौरान यह जरूरी है कि उचित स्वच्छता बनाई जाए।

इस मौके पर यूएसडीएमए की प्रशिक्षण विशेषज्ञ जेसिका टैरोन, मुंशी चैमवाल, राजवीर सिंह, जगमोहन सिंह, नवीन चंद्र, आलोक वर्मा, लक्ष्मी, विनीत चौहान, नैंसी, धीरेंद्र सिंह, अरुण गौड़, काजल और अनुज कुमार आदि मौजूद थे।

मास्टर ट्रेनर को फर्स्ट एड के गुर सिखाते विशेषज्ञ। अमर उजाला

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

दैनिक हिन्दुस्तान–21 मार्च 2024

प्राथमिक चिकित्सा की बारीकियां बताईं

दून में बुधवार को यूएसडीएमए और भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को फर्स्ट एड के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं से रूबरू कराया गया। • हिन्दुस्तान

देहरादून, कार्यालय संवाददाता। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से फर्स्ट एड को लेकर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं की जानकारी दी गई। मानव डमी के माध्यम से फर्स्ट एड की सही तकनीक के बारे में बताया गया।

बुधवार को यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि फर्स्ट एड की जानकारी यदि हर किसी को होगी तो कई लोगों के जीवन को बचाया जा सकता है। मास्टर टेनर भारतीय रेड क्रास सोसाइटी हरीश शर्मा, प्रशिक्षक रविंद्र मोहन काला ने विस्तार से समझाया। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी उत्तराखंड ब्रांच के अध्यक्ष कुंदन सिंह टोलिया ने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे फर्स्ट एड की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाएं और हर घर में एक फर्स्ट एड प्रशिक्षक हो। इस मौके पर जेसिका टैरोन, मुंशी चैमवाल, राजवीर सिंह, जगमोहन सिंह, नवीन चंद्र, आलोक वर्मा, लक्ष्मी मौजूद थे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

दैनिक जागरण–21 मार्च 2024

फर्स्ट एड में गोल्डन आवर बहुत जरूरी: नेगी

जागरण संवाददाता, देहरादून: उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेडक्रास सोसायटी की ओर से फर्स्ट एड पर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को फर्स्ट एड के विभिन्न पहलुओं से रूबरू कराया गया। प्रशिक्षण ले रहे उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मास्टर ट्रेनर और अग्निशमन विभाग के कार्मिकों ने डमी के माध्यम से फर्स्ट एड की तकनीक को सीखा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआइजी राज कुमार नेगी ने कहा कि फर्स्ट एड की जानकारी हर किसी को होगी तो कई लोगों के जीवन को बचाया जा सकता है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेडक्रास सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में सीपीआर का प्रशिक्षण लेते प्रतिभागी • जागरण

उन्होंने कहा कि किसी भी इमरजेंसी में गोल्डन आवर बहुत अहम होते हैं। यदि फर्स्ट एड प्रदाता ने सूझबूझ के साथ काम किया तो पीड़ित को बड़ी राहत मिल सकती है। मास्टर ट्रेनर भारतीय रेडक्रास सोसायटी हरीश शर्मा ने विस्तार से फर्स्ट एड की जानकारी दी। प्रशिक्षक रविंद्र मोहन काला ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड के दौरान यह जरूरी है कि उचित स्वच्छता बनाई जाए। यदि इसका ध्यान नहीं रखा जाएगा तो यह पीड़ित या घायल व्यक्ति के साथ ही सहायता देने वाले के लिए भी खतरनाक हो सकता है। उन्होंने आपदाग्रस्त क्षेत्रों में जहां पीने के लिए शुद्ध पानी न हो, वहां पानी को शुद्ध और पीने योग्य बनाने के उपायों के बारे में बताया। भारतीय रेडक्रास सोसायटी उत्तराखंड के अध्यक्ष कुंदन सिंह टोलिया ने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे फर्स्ट एड की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाएं। इस मौके पर यूएसडीएमए की प्रशिक्षण विशेषज्ञ जेसिका टैरोन, मुंशी चैमवाल, राजवीर सिंह, जगमोहन सिंह, नवीन चंद्र, आलोक वर्मा, लक्ष्मी, विनीत चैहान, नैंसी, धीरेंद्र सिंह, अरुण गौड़, काजल, अनुज कुमार आदि मौजूद थे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

राष्ट्रीय सहारा–21 मार्च 2024

फर्स्ट एड में गोल्डन आवर जरूरी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो
देहरादून।

■ उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रस सोसाइटी की ओर से फर्स्ट एड पर आयोजित प्रशिक्षण जारी

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्तित को फर्स्ट एड की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में बहुत से लोग अपना जीवन गंवा देते हैं, लेकिन हर किसी को फर्स्ट एड की जानकारी होगी तो कोई भी किसी का अनमोल जीवन बचा सकता है।

अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी बुधवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेडक्रास सोसाइटी की ओर से फर्स्ट एड को लेकर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को फर्स्ट एड के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं के बारे में जानकारी दे रहे थे। प्रशिक्षण ले रहे उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मास्टर ट्रेनर और अग्निशमन विभाग के फायर कार्मिकों ने मानव डमी के माध्यम से फर्स्ट एड की सही तकनीकों को सीखा।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि प्रत्येक गांव में, स्कूल-कॉलेज, दफ्तर में कुछ लोगों को भी फर्स्ट एड की जानकारी होगी तो वह कई लोगों के जीवन को बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी इमरजेंसी में गोल्डन आवर बहुत जरूरी होता है और यदि फर्स्ट एड प्रदाता ने सूझबूझ के साथ काम किया तो पीड़ित को बड़ी राहत मिल सकती है।

मास्टर टेनर भारतीय रेड क्रास सोसाइटी हरीश शर्मा ने विस्तार से बताया कि फर्स्ट एड किस तरह से दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं पर कोई बड़ी दुर्घटना हो तो सबसे पहले उसे फर्स्ट एड दिया जाए, जिसकी हालत सबसे ज्यादा खराब हो। उन्होंने इसके लिए विभिन्न प्रकार की कलर कोडिंग के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षक रविंद्र मोहन काला ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड सहयता के दौरान यह जरूरी है कि उचित स्वच्छता बनाई जाए। यदि इसका ध्यान नहीं

फर्स्ट एड के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक।

रखा जाएगा तो यह पीड़ित या घायल व्यक्ति के साथ ही सहायता देने वाले के लिए भी खतरनाक हो सकता है। उन्होंने आपदाग्रस्त क्षेत्रों में जहां पीने के लिए शुद्ध पानी न हो, वहां पानी को शुद्ध और पीने योग्य बनाने के उपायों के बारे में बताया।

भारतीय रेडक्रास सोसाइटी उत्तराखंड ब्रांच के अध्यक्ष कुंदन सिंह टोलिया ने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वह फर्स्ट एड की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाएं और हर घर में एक फर्स्ट एड प्रशिक्षक हो, इस संकल्प की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड प्रदाता को स्वयं भी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है, इसलिए सबसे पहले वे स्वयं को स्वस्थ और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

इस मौके पर यूएसडीएमएएं की प्रशिक्षण विशेषज्ञ जेसिका टैरोन, मुंशी चौमवाल, राजवीर सिंह, जगमोहन सिंह, नवीन चंद्र, आलोक वर्मा, लक्ष्मी, विनीत चौहान, नैंसी, धीरेंद्र सिंह, अरुण गौड़, काजल, अनुज कुमार आदि मौजूद थे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

लोक सत्य–21 मार्च 2024

प्रशिक्षण कार्यशाला में बताई फर्स्ट एड के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं की बारीकियां

फर्स्ट एड में गोल्डन आवर बेहद जरूरी : नेगी

प्रशिक्षण

- **मानव डमी के माध्यम से दी फर्स्ट एड की सही तकनीकों की जानकारी**
- **सूझबूझ के साथ किये काम से पीड़ित को मिल सकती है बड़ी राहत**

देहरादून,लोकसत्य।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से फर्स्ट एड को लेकर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को फर्स्ट एड के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं से रूबरू कराया गया। प्रशिक्षण ले रहे उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मास्टर ट्रेनर और अग्निशमन विभाग के फायर कार्मिकों ने मानव डमी के माध्यम से फर्स्ट एड की सही तकनीकों को सीखा।

बुधवार को प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि फर्स्ट एड की जानकारी यदि हर किसी को होगी तो कई लोगों के अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है। प्रत्येक गांव में, स्कूल-कॉलेज, दफ्तर में कुछ लोगों को भी फर्स्ट एड की जानकारी होगी तो वे कई लोगों के जीवन को बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी इमरजेंसी में गोल्डन आवर बहुत जरूरी होता है और यदि फर्स्ट एड प्रदाता ने सूझबूझ के साथ काम किया तो पीड़ित को बड़ी राहत मिल सकती है।

मास्टर टेनर भारतीय रेड क्रास सोसाइटी हरीश शर्मा ने विस्तार से बताया कि फर्स्ट एड किस तरह से दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं पर कोई बड़ी दुर्घटना हो तो सबसे पहले , जिसकी हालत सबसे ज्यादा खराब हो उसे फर्स्ट एड दिया जाए। उन्होंने इसके लिए विभिन्न प्रकार की कलर कोडिंग के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षक रविंद्र मोहन काला ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता को लेकर जानकारी दी। इस मौके पर यूएसडीएमए की प्रशिक्षण विशेषज्ञ जेसिका टैरेन, मुंशी चैमवाल, राजवीर सिंह, जगमोहन सिंह, नवीन चंद्र, आलोक वर्मा, लक्ष्मी, विनीत चौहान, नैंसी, धीरेंद्र सिंह, अरुण गौड़, काजल, अनुज कुमार आदि मौजूद थे।

फर्स्ट एड की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाएं : टोलिया

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी उत्तराखंड ब्रांच के अध्यक्ष कुंदन सिंह टोलिया ने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे फर्स्ट एड की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाएं और हर घर में एक फर्स्ट एड प्रशिक्षक हो, इस संकल्प की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड प्रदाता को स्वयं भी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है, इसलिए सबसे पहले वे स्वयं को स्वस्थ और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

दैनिक जागरण–22 मार्च 2024

फर्स्ट एड देते समय हर सेकेंड की अहमियत

- यूएसडीएमए व रेडक्रास की ओर से किया गया प्रशिक्षण शिविर का आयोजन
- जिला प्रशासन के प्रत्येक अधिकारी को आपदा प्रबंधन में दक्ष करने पर जोर

जागरण संवाददाता, देहरादून : फर्स्ट एड एक्सपर्ट को समय और परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द मदद देते हुए नजदीकी स्वास्थ्य इकाई या अस्पताल तक पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए। फर्स्ट एड देते समय एक-एक सेकेंड की भी बड़ी अहमियत होती है। इसलिए फर्स्ट एड एक्सपर्ट का परिस्थिति के अनुसार नजरियां बिलकुल स्पष्ट होना चाहिए। यह बात गुरुवार को भारतीय रेडक्रास सोसायटी के डा. सतीश पिंगल ने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण व भारतीय रेडक्रास सोसायटी की ओर से फर्स्ट एड को लेकर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में कही।

डा. पिंगल ने प्रतिभागियों को सांप, कुत्ते और बंदर के काटने पर किस तरह की फर्स्ट एड देनी चाहिए, इसके बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सांप और कुत्ते के काटने पर झाड़-फूंक और टोने-टोटकों को हतोत्साहित किया जाना जरूरी है। फर्स्ट एड एक्सपर्ट को इस दिशा में भी जागरुकता लानी चाहिए और समाज में हर व्यक्ति को इसके बारे में बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड प्रदाता को न तो पीड़ित को किसी तरह की दवा देनी चाहिए और न किसी को मृत घोषित करना चाहिए। यह काम सिर्फ और सिर्फ चिकित्सक का है। फर्स्ट एड एक्सपर्ट को यदि कहीं पर घाव है तो उसे कपड़े से बांधने, किसी व्यक्ति की सांसें नहीं चल रही हैं तो सीपीआर देने और जल्द से जल्द चिकित्सालय पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे आपदा संवेदनशील राज्य में जिला प्रशासन के प्रत्येक अधिकारी को आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, क्योंकि आपदा के समय उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। बता दें कि प्रशिक्षण शिविर में अग्निशमन विभाग के 24 कार्मिक व उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विभिन्न जनपदों से आए मास्टर ट्रेनर हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान मास्टर ट्रेनर भारतीय रेडक्रास सोसायटी हरीश शर्मा, जेसिका, विजेंद्र, मुंशी चैमवाल, मस्तान भंडारी, सीमा, राजू साही, पिंकी रावत, निर्मला, मालनी, सुभाष, अंजली, मीनाक्षी मौजूद थे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

अमर उजाला–22 मार्च 2024

सांप, कुत्ते के काटने पर झाड़-फूंक और टोना-टोटका न करें : डॉ. सतीश पिंगल

माई सिटी रिपोर्टर

यूएसडीएमए और रेडक्रॉस की ओर से प्रशिक्षण शिविर में बोले डॉ. पिंगल

देहरादून। फर्स्ट एड एक्सपर्ट को समय और परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द मदद देकर नजदीकी हेल्थ केयर सेंटर या अस्पताल पहुंचाना चाहिए।

फर्स्ट एड देते समय एक-एक सेकंड की भी बड़ी अहमियत होती है। सांप और कुत्ते के काटे जाने पर झाड़-फूंक और टोने-टोटकों जैसी चीजें नहीं करनी चाहिए। कई लोगों की जान सिर्फ इन्हीं चक्करों में फंसकर चली जाती है। यह बात भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के डॉ. सतीश पिंगल ने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से फर्स्ट एड पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में कही। डॉ. पिंगल ने प्रतिभागियों को सांप, कुत्ते और बंदरों की ओर से काटे जाने पर फर्स्ट एड देने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड प्रदाता को न तो पीड़ित को किसी तरह की दवा देनी चाहिए और न किसी को मृत घोषित करना चाहिए।

यह काम सिर्फ और सिर्फ डॉक्टर का है। फर्स्ट एड एक्सपर्ट को व्यक्ति की सांसें नहीं चल रही हैं तो सीपीआर देने और जल्द से जल्द चिकित्सालय पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

लोक सत्य–22 मार्च 2024

कार्यशाला

यूएसडीएमए और रेड क्रास के प्रशिक्षण शिविर में बोले डॉ पिंगल

प्रत्येक अधिकारी को मिले आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड का प्रशिक्षण

देहरादून,लोकसत्य।

फर्स्ट एड एक्सपर्ट को समय और परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द मदद देते हुए नजदीकी हेल्थ केयर सेंटर या अस्पताल तक पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए। फर्स्ट एड देते समय एक-एक सेकेंड की भी बड़ी अहमियत होती है। इसलिए यह जरूरी है कि फर्स्ट एड एक्सपर्ट का परिस्थिति के अनुसार नजरिया बिलकुल स्पष्ट होना चाहिए। यह बात गुरुवार को भारतीय रेड क्रास सोसाइटी के डॉ. सतीश पिंगल ने उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से फर्स्ट एड को लेकर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में कही।

डॉ. पिंगल ने प्रतिभागियों को साप, कुत्ते और बंदरों द्वारा काटे जाने पर किस तरह की फर्स्ट एड देनी चाहिए, इसके बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सांप और कुत्ते के काटे जाने

पर झाड़-फूंक और टोने-टोटकों जैसी चीजों को हतोत्साहित किया जाना जरूरी है। कई लोगों की जान सिर्फ इन्हीं चक्करों में फंसकर चली जाती है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे आपदा संवेदनशील राज्य में जिला प्रशासन के प्रत्येक अधिकारी को आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड का प्रशिक्षण दी जानी चाहिए, क्योंकि आपदा के समय उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों को पट्टी बांधने की सही तकनीक और घायलों को किस तरह से मद्द देनी है, कैसे उठाना है, कैसे अस्पताल पहुंचाना है, इसके बारे में बताया। बता दें कि प्रशिक्षण शिविर में अग्निशमन विभाग के 24 कार्मिक तथा उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विभिन्न जनपदों से आए मास्टर ट्रेनर प्रतिभाग कर रहे हैं।

फर्स्ट एड प्रदाता केवन अपना काम करें

कार्यशाला में प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि फर्स्ट एड प्रदाता को न तो पीड़ित को किसी तरह की दवा देनी चाहिए और न किसी को मृत घोषित करना चाहिए। यह काम सिर्फ और सिर्फ चिकित्सक का है। फर्स्ट एड एक्सपर्ट को यदि कहीं पर घाव है तो उसे कपड़े से बांधने, किसी व्यक्ति की सांसें नहीं चल रही हैं तो सीपीआर देने और जल्द से जल्द चिकित्सालय पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

राष्ट्रीय सहारा—22 मार्च 2024

मेडिकल इमरजेंसी में झाड़-फूंक से बचने की सलाह

- यूएसडीएमए और रेडक्रास की ओर से फर्स्ट एड को लेकर दिया जा रहा प्रशिक्षण
- कहा-जिला प्रशासन का प्रत्येक अधिकारी हो आपदा प्रबंधन में ट्रेंड

शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देते डा. सिंघल।

देहरादून (एसएनबी)। भारतीय रेड क्रास सोसाइटी के डॉ. सतीश सिंघल कहा कि सांप और कुत्ते के काटे जाने पर झाड़-फूंक और टोने-टोटकों जैसी चीजों को हतोत्साहित किया जाना जरूरी है। कई लोगों की जान सिर्फ इन्हीं चक्करों में फंसकर चली जाती है। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड एक्सपर्ट को इस दिशा में भी जागरूकता लानी चाहिए और समाज में हर व्यक्ति को इसके बारे में बताना चाहिए।

भारतीय रेड क्रास सोसाइटी के डॉ. सतीश सिंघल शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रास सोसाइटी की ओर से फर्स्ट एड को लेकर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड एक्सपर्ट को समय और परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द मदद देते हुए नजदीकी हेल्थ केयर सेंटर या अस्पताल तक पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए। फर्स्ट एड देते समय एक-एक सेकेंड की भी बड़ी अहमियत होती है। इसलिए यह जरूरी है कि फर्स्ट एड एक्सपर्ट का परिस्थिति के अनुसार नजरिया बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। डॉ. सिंघल ने प्रशिक्षणार्थियों को सांप, कुत्ते और कीड़ों द्वारा काटे जाने पर किस तरह की फर्स्ट एड देनी चाहिए, इसके बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड प्रदाता को न तो पीड़ित को किसी तरह की दवा देनी चाहिए और न किसी को मृत घोषित करना चाहिए। यह काम सिर्फ और सिर्फ चिकित्सक का है। फर्स्ट एड एक्सपर्ट को यदि कहीं पर घाव है तो उसे कपड़े से बांधने, किसी व्यक्ति की सांसें नहीं चल रही है तो सीपीआर दें और जल्द से जल्द चिकित्सालय पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे आपदा संवेदनशील राज्य में जिला प्रशासन के प्रत्येक अधिकारी को आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, क्योंकि आपदा के समय उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को पट्टी बांधने की सही तकनीक और घायलों की मदद, कैसे उठाना है, कैसे अस्पताल पहुंचाना है, इसके बारे में बताया।

इस दौरान मास्टर ट्रेनर भारतीय रेड क्रास सोसाइटी हरीश शर्मा, लतिका टैगोर, विवेक कप्तवाण, मुंशी चौहान, मनोहर भंडारी, सीमा परमार, राजू शाही, रिंकी रावत, निर्मला नेगी, भारती, सुषमा, अंजली, मीनाक्षी रावत आदि मौजूद थे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

दैनिक हिन्दुस्तान–23 मार्च 2024

अपना उत्तराखंड

ससुरालियों पर कराया मुकदमा

देहरादून। महिला ने ससुराल पक्ष समेत अन्य पर षड्यंत्र और धोखाधड़ी का केस दर्ज करवाया है। आरोप है कि जिस समय पति हॉस्पिटल में थे। उस समय पति के नाम से फर्जी वसीयत तैयार कर संपत्ति हड़पने का प्रयास किया गया। मामले पर पुलिस ने सुनवाई नहीं की तो कोर्ट के आदेश पर कैंट कोतवाली में केस दर्ज किया गया है।

अतिका अरोड़ा निवासी विजय पार्क देहरादून की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। अतिका अरोड़ा का कहना है कि उनका विवाह 25 जनवरी 2015 को अनुराग अरोड़ा निवासी किशन नगर देहरादून के साथ हुआ था। 2019 को सर गंगा राम सिटी हॉस्पिटल में पति का देहांत हो गया था। पति के कूटरचित व फर्जी हस्ताक्षर कर फर्जी वसीयत तैयार की गई। कोर्ट के आदेश पर कैंट कोतवाली पुलिस ने आरोपी रामप्रकाश अरोड़ा इनकी पत्नी रागनी अरोड़ा के अलावा मीनू अग्रवाल और जूही अग्रवाल निवासी तुगलक रोड नई दिल्ली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

स्कूली बच्चों को भी फर्स्ट एड की ट्रेनिंग मिले: सिन्हा

देहरादून, मुख्य संवाददाता। सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने रेडक्रॉस सोसायटी से अपील की है कि वे फर्स्ट एड की ट्रेनिंग स्कूली बच्चों को भी दें, ताकि किसी आपात स्थिति में बच्चे भी त्वरित सहायता कर सकें।

दून में सहस्त्रधारा रोड स्थित भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी परिसर में आयोजित चार दिनी प्रशिक्षण शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ. सिन्हा ने यूएसडीएमए के मास्टर ट्रेनरों और अग्निशमन विभाग के नव नियुक्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि फर्स्ट एड प्रदाता को स्वयं भी मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत होना चाहिए।

उन्होंने कहा, आपदा के समय फर्स्ट एड की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। समय पर प्राथमिक सहायता मिल जाए तो जिंदगियों को बचाया जा सकता है। यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि आपदा मित्रों को भी यह प्रशिक्षण देने की पहल की जा रही है। रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन कुंदन सिंह टोलिया ने कहा कि आपदा प्रंबधन विभाग के सहयोग से आगे भी शिविर आयोजित होंगे।

इस अवसर पर यूएसडीएमए के आईईसी एक्सपर्ट मनीष भगत, भारतीय रेड क्रास सोसाइटी के उप सचिव हरीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहन खत्री, वेदिका पंत, विजेंद्र कपरुवाण, आलोक वर्मा, अनिल सकलानी आदि मौजूद रहे।

कहा-आपदा मित्रों का आत्मविश्वास बढ़ाएंगे

सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत सिन्हा ने कहा कि आपदा मित्रों को लगातार प्रशिक्षण से उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया जाएगा। चारधाम यात्रा, फायर सीजन, गर्मी के मौसम को लेकर आपदा प्रबंधन विभाग की तैयारी पूरी है और इसमें आपदा मित्र अपनी बेहतर सेवाएं दें इसकी कार्ययोजना बनाई गई है।

[illegible] परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सचिव डॉ. रंजीत सिन्हा ने फायर सर्विसकर्मी को सम्मानित किया।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

अमर उजाला–23 मार्च 2024

बच्चों को मिलेगा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण : सिन्हा

शिविर के समापन पर प्रमाणपत्र देते आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा। स्रोतः सूचना विभाग

देहरादून। रेडक्रॉस सोसाइटी अब स्कूली बच्चों को भी फर्स्ट एड की ट्रेनिंग देगी। इसके लिए आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हरसंभव सहयोग करने का भरोसा सोसायटी को दिलाया है। आपदा प्रबंधन सचिव व राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने यह भरोसा चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन में दिलाया।

शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से सोसाइटी के सहस्त्रधारा रोड स्थित कार्यालय में आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड पर प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया।

सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि किसी भी आपदा के समय फर्स्ट एड की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी घायल या पीड़ित व्यक्ति को समय पर प्राथमिक सहायता मिल जाए तो कीमती जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिले से लेकर पंचायत स्तर तक फर्स्ट एड की ट्रेनिंग जरूरी है।

यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग के आपदा मित्रों को भी यह प्रशिक्षण देने की पहल की जा रही है। मा.सि.रि.

ये रहे मौजूद

प्रशिक्षण के दौरान यूएसडीएमए के आईईसी एक्सपर्ट मनीष भगत, सोसाइटी के उप सचिव हरीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहन खत्री, वेदिका पंत, विजेंद्र कपरुवाण, आलोक वर्मा, अनिल सकलानी, अंजली भैसोड़ा, विनीत चैहान, सरस्वती असवाल, प्रगति जुयाल, मोहित सिंह, रोहित रावत, अभिषेक राणा आदि मौजूद रहे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

दैनिक जागरण—23 मार्च 2024

10 दैनिक जागरण देहरादून, 23 मार्च, 2024 देहरादून जाग

स्कूली बच्चों को भी दें फर्स्ट एड का प्रशिक्षण

सचिव आपदा प्रबंधन डा. सिन्हा ने कहा, विभाग करेगा हर तरह का सहयोग

जागरण संवाददाता, देहरादून: सचिव आपदा प्रबंधन एवं उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. रंजीत कुमार सिन्हा ने भारतीय रेडक्रास सोसायटी से अपील की है कि वे फर्स्ट एड का प्रशिक्षण स्कूली बच्चों को भी दें। ताकि किसी आपात स्थिति में वे पीड़ित की त्वरित सहायता कर सकें। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि आपदा प्रबंधन विभाग और यूएसडीएमए इसके लिए उनकी हर स्तर पर मदद करेगा।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेडक्रास सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर डा. सिन्हा ने कहा कि जिले से लेकर पंचायत स्तर तक फर्स्ट एड का प्रशिक्षण जरूरी है। यह प्रशिक्षण यहीं तक सीमित न रहे और सभी प्रशिक्षणार्थी अपने इस ज्ञान को अधिकाधिक लोगों तक लेकर जाएं। उन्होंने आपदा प्रबंधन को लेकर पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित हो रहे लोगों के पारंपरिक ज्ञान को भी महत्व देने और अपने कार्यक्षेत्र में शामिल करने की अपील की। यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआइजी राजकुमार नेगी ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग के आपदा मित्रों को भी यह प्रशिक्षण देने की पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य तभी सफल होगा जब प्रशिक्षण ले रहे कर्मचारी अपने अनुभव और हुनर को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाएंगे। भारतीय रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन कुंदन सिंह टोलिया ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग के साथ मिलकर इस तरह के शिविर आगे में आयोजित होते रहें, जिससे अधिक से अधिक लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके। इस दौरान यूएसडीएमए के आइईसी एक्सपर्ट मनीष भगत, भारतीय रेडक्रास सोसायटी के उप सचिव हरीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहन खत्री, वेदिका पंत, विजेंद्र कपरवाण, आलोक वर्मा, अनिल सकलानी, अंजली भैसोड़ा आदि मौजूद थे।

फर्स्ट एड प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते सचिव आपदा प्रबंधन डा. रंजीत कुमार सिन्हा ● जागरण

आपदा से लड़ने में सिविल सोसायटी भी आगे आए

डा. सिन्हा ने कहा कि आपदा के जोखिम को कम करने में लोगों की बड़ी भूमिका हो सकती है। इसलिए लोगों को भी आपदा को लेकर अधिकाधिक जागरूक होना होगा। आपदा से लड़ने में सरकार के साथ ही सिविल सोसायटी को भी आगे आना होगा।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

राष्ट्रीय सहारा–23 मार्च 2024

आपदा के जोखिम को कम करने में लोगों की बड़ी भूमिका : रंजीत

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

सचिव आपदा प्रबंधन और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि उन्होंने कहा कि आपदा के जोखिम को कम करने में लोगों की बड़ी भूमिका हो सकती है। इसलिए लोगों को भी आपदा को लेकर अधिक से अधिक जागरूक होना होगा।

प्रतिभागियों को सम्मानित करते सचिव आपदा प्रबंधन रंजीत सिन्हा।

आपदा से लड़ने में सरकार के साथ ही सिविल सोसायटी को भी आगे आना होगा।

सचिव डॉ.रंजीत कुमार सिन्हा शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रास सोसायटी की ओर से आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने भारतीय रेड क्रास सोसायटी से अपील की है कि वह फर्स्ट एड की ट्रेनिंग को स्कूली बच्चों को भी दें ताकि किसी आपात स्थिति में वे पीड़ित की त्वरित सहायता कर सकें। उन्होंने भारतीय रेड क्रास सोसायटी को आश्वासन दिया कि आपदा प्रबंधन विभाग और यूएसडीएमए इसके लिए उनकी हर स्तर पर मदद करेगा।

यूएसडीएमए के मास्टर ट्रेनरों और अग्निशमन विभाग के नव नियुक्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डॉ.सिन्हा ने कहा कि एक फर्स्ट एड प्रदाता को स्वयं भी मानसिक रूप से मजबूत और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह

■ स्कूली बच्चों को भी मिले फर्स्ट एड की ट्रेनिंग

■ सचिव सिन्हा की रेड क्रास सोसायटी से अपील

■ आपदा प्रबंधन विभाग करेगा हर तरह का सहयोग

प्रशिक्षण यहीं तक सीमित न रहे और सभी प्रशिक्षणार्थी अपने इस ज्ञान को अधिक से अधिक लोगों तक लेकर जाएं। उन्होंने आपदा प्रबंधन को लेकर पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित हो रहे लोगों के पारंपरिक ज्ञान को भी महत्व देने और अपने कार्यक्षेत्र में शामिल करने की अपील की।

यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग के आपदा मित्रों को भी यह प्रशिक्षण देने की पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग का उद्देश्य तभी सफल होगा जब ट्रेनिंग ले रहे कर्मचारी अपने अनुभव और हुनर को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएंगे।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन कुंदन सिंह टोलिया ने ट्रेनिंग आयोजित करने में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अकिारी डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि रेड क्रास सोसायटी उत्तराखंड के जनमानस की सेवा को लेकर प्रतिबद्ध है और आपदा प्रबंधन विभाग के साथ मिलकर इस तरह के शिविर आगे में आयोजित होते रहें, जिससे अधिक से अधिक लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके।

इस दौरान यूएसडीएमए के आईईसी एक्सपर्ट मनीष भगत, भारतीय रेड क्रास सोसाइटी के उप सचिव हरीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहन खत्री, वेदिका पंत, विजेंद्र कपरुवाण, आलोक वर्मा, अनिल सकलानी, अंजली भैसोड़ा, विनीत चौहान, सरस्वती असवाल, प्रगति जुयाल, मोहित सिंह, रोहित रावत, अभिषेक राणा आदि मौजूद थे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

लोक सत्य–23 मार्च 2024

स्कूली बच्चों को भी दें फर्स्ट एड की ट्रेनिंग : डॉ. सिन्हा

यूएसडीएमए व रेड क्रास सोसायटी का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

ट्रेनिंग

- **आपदा प्रबन्धन सचिव ने दिलाया भरोसा, हर स्तर पर मदद करेगा विभाग**

देहरादून, लोकसत्य।

सचिव आपदा प्रबंधन और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने भारतीय रेड क्रास सोसायटी से अपील की है कि वे फर्स्ट एड की ट्रेनिंग को स्कूली बच्चों को भी दें ताकि किसी आपात स्थिति में वे पीड़ित की त्वरित सहायता कर सकें। उन्होंने भारतीय रेड क्रास सोसायटी को आश्वासन दिया कि आपदा प्रबंधन विभाग और यूएसडीएमए इसके लिए उनकी हर स्तर पर मदद करेगा।

शुक्रवार को उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय रेड क्रास सोसायटी की ओर से आपदा प्रबंधन और फर्स्ट एड पर आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। इस मौके पर सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि

किसी भी आपदा के समय फर्स्ट एड की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी घायल या पीड़ित व्यक्ति को समय पर प्राथमिक सहायता मिल जाए तो कीमती जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिले से लेकर पंचायत स्तर तक फर्स्ट एड की ट्रेनिंग जरूरी है।

डॉ. सिन्हा ने कहा कि एक फर्स्ट एड प्रदाता को स्वयं भी मानसिक रूप से मजबूत और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण यहीं तक सीमित न रहे और सभी प्रशिक्षणार्थी अपने इस ज्ञान को अधिक से अधिक लोगों तक लेकर जाएं। उन्होंने आपदा प्रबंधन को लेकर पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित हो रहे लोगों के पारंपरिक ज्ञान को भी महत्व देने और अपने कार्यक्षेत्र में शामिल करने की अपील की। भारतीय रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन कुंदन सिंह टोलिया ने ट्रेनिंग आयोजित करने में उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि रेड क्रास सोसायटी उत्तराखंड के जनमानस की सेवा को लेकर प्रतिबद्ध है और आपदा प्रबंधन विभाग के साथ मिलकर इस तरह के शिविर आगे में आयोजित होते रहें, जिससे अधिक से अधिक लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके।

कर्मचारी अपने अनुभव और हुनर को लोगों तक पहुंचाएं : नेगी

यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व डीआईजी राज कुमार नेगी ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग के आपदा मित्रों को भी यह प्रशिक्षण देने की पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग का उद्देश्य तभी सफल होगा जब ट्रेनिंग ले रहे कर्मचारी अपने अनुभव और हुनर को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएंगे।

इस दौरान यूएसडीएमए के आईईसी एक्सपर्ट मनीष भगत, भारतीय रेड क्रास सोसाइटी के उप सचिव हरीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहन खत्री, वेदिका पंत, विजेंद्र कपरुवाण, आलोक वर्मा, अनिल सकलानी, अंजली भैसोड़ा, विनीत चैहान, सरस्वती असवाल, प्रगति जुयाल, मोहित सिंह, रोहित रावत, अभिषेक राणा आदि मौजूद थे।

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

Links of web portals and web sites

- https://www.amarujala.com/dehradun/many-lives-can-be-saved-by-applying-first-aid-at-the-right-dehradun-news-c-5-1-drn1046-374840-2024-03-20
- https://www.livehindustan.com/uttarakhand/dehradun/story-experts-taught-the-nuances-of-first-aid-9581543.html
- https://avikaluttarakhand.com/uttarakhand/golden-hour-is-very-important-in-first-aid-negi/
- https://pahadkapathar.com/uttarakhand-news/technical-information-on-disaster-management/
- https://www.jaibharattv.com/golden-hour-is-very-important-in-first-aid-negi-training-camp-on-disaster-management-continues/
- https://youtu.be/iT-kzPIBNnA?si=AW6xIkf9ADjEM6Fi
- https://pahadkapathar.com/uttarakhand-news/medical-emergency-and-exorcism/
- https://www.jaibharattv.com/there-is-no-point-in-exorcising-a-medical-emergency-pingal-dr-pingle-spoke-in-the-training-camp-on-behalf-of-usdma-and-red-cross/
- https://youtu.be/nYkUirzdYk8?si=w9E1TduiLck8v4LS
- https://youtu.be/qJo8heLIWBc?si=7FBQocwk3YjAkMls
- https://avikaluttarakhand.com/uttarakhand/give-first-aid-training-to-school-children-also/

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert(USDMA-HB), SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM

THANK YOU

Generated from eOffice by HEMANT BISHT, System Expert-USDMA-HB, SYSTEM EXPERT, Disaster Management Department on 25/04/2024 06:53 PM